



खदानों से हमपी को खतरा

स्रोत: द हट्टि

हाल ही में कर्नाटक के वजियनगर ज़िले में स्थिति **यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल हमपी** के आस-पास के क्षेत्र में पत्थर उत्खनन गतिविधियाँ शुरू हो गई हैं।

- पर्यावरणविदों और पर्यटकों ने इन गतिविधियों के कारण इस स्थल की ऐतिहासिक तथा पारस्थितिक अखंडता पर पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंता जताई है।

वजियनगर साम्राज्य और हमपी के बारे में मुख्य तथ्य क्या हैं?

- वजियनगर साम्राज्य:**
 - वजियनगर साम्राज्य या "वजिय का शहर" की स्थापना वर्ष 1336 में हरहिर और बुक्का नामक दो भाइयों ने की थी, जो पहले मुहम्मद-बनि-तुगलक की सेना में सेवा कर चुके थे।
 - वे दिल्ली सल्तनत से अलग हो गये और कर्नाटक में एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की, जिसका राजधानी शहर वजियनगर तुंगभद्रा नदी के तट पर स्थित था।
 - उनके राज्य की स्थापना में समकालीन वद्वान और संत वदियारण्य (Saint Vidyaranya) की सहायता और प्रेरणा मिली थी।
 - वजियनगर साम्राज्य पर संगम, सलुवा, तुलुवा और अरावट्टि नामक चार महत्त्वपूर्ण राजवंशों का शासन था।
 - तुलुव वंश के कृष्णदेवराय (1509-29) वजियनगर के सबसे प्रसिद्ध शासक थे।
 - उन्होंने तेलुगु में राजव्यवस्था पर एक ग्रंथ की रचना की जिसे अमुक्तमाल्यदा (Amuktamalyada) के नाम से जाना जाता है।
- हमपी:**
 - यह कर्नाटक के बेल्लारी ज़िले में स्थित है, जिसमें वजियनगर साम्राज्य की राजधानी (14वीं-16वीं शताब्दी ई.) के अवशेष शामिल हैं।
 - हमपी के मंदिरों की एक अनूठी विशेषता यह है कि यहाँ की चौड़ी रथ सड़कें स्तंभयुक्त मंडपों की पंक्ति से घेरि हुई हैं।
 - इसके प्रसिद्ध स्थलों में कृष्ण मंदिर परिसर, नरसहि, गणेश, हेमकूट मंदिर समूह, अच्युतराय मंदिर परिसर, वट्टिल मंदिर परिसर, पट्टाभरिम मंदिर परिसर, लोटस महल परिसर आदि शामिल हैं।
 - हमपी को वर्ष 1986 में यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया था।
 - वर्ष 1565 में दक्कन सल्तनतों के गठबंधन द्वारा वजियनगर साम्राज्य को पराजित कर दिया गया (तालिकोटा का युद्ध), जिसके बाद हमपी खंडहर बन गया।

वट्टिल मंदिर:

- इसका निर्माण 15वीं शताब्दी में वजियनगर साम्राज्य के शासकों में से एक देवराय द्वितीय के शासनकाल में हुआ था।
- यह वट्टिल (भगवान वशिष्ठ) को समर्पित है और इसे वजिय वट्टिल मंदिर भी कहा जाता है।
- इसमें पत्थर के रथ और संगीतमय स्तंभ जैसे उल्लेखनीय आकर्षण हैं, जिसमें पत्थर के रथ को 50 रुपए के नोट पर दर्शाया गया है।

हमपी रथ:

- यह भारत के तीन प्रसिद्ध पत्थर के रथों में से एक है, अन्य दो कोणारक (ओडिशा) और महाबलीपुरम (तमलिनाडु) में हैं।
- इसे 16वीं शताब्दी में वजियनगर के शासक राजा कृष्णदेवराय के आदेश पर बनाया गया था।
- यह भगवान वशिष्ठ के आधिकारिक वाहन गरुड को समर्पित एक मंदिर है।

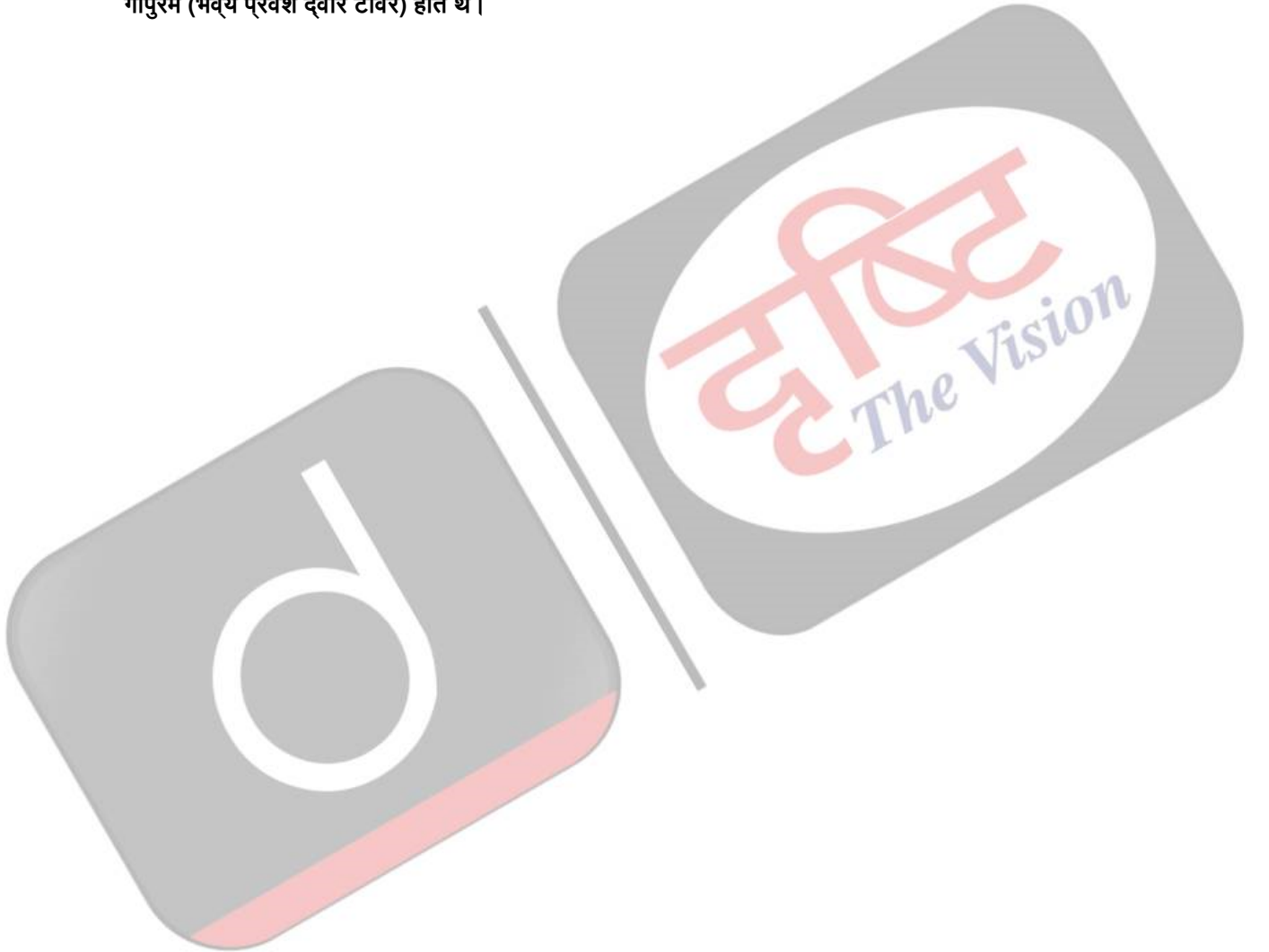
वरुपाकष मंदिर:

- यह कर्नाटक के मध्य हमपी में 7वीं शताब्दी का शवि मंदिर है।
- भगवान वरुपाकष जिन्हें पंपापता भी कहा जाता है, वरुपाकष मंदिर के मुख्य देवता हैं।

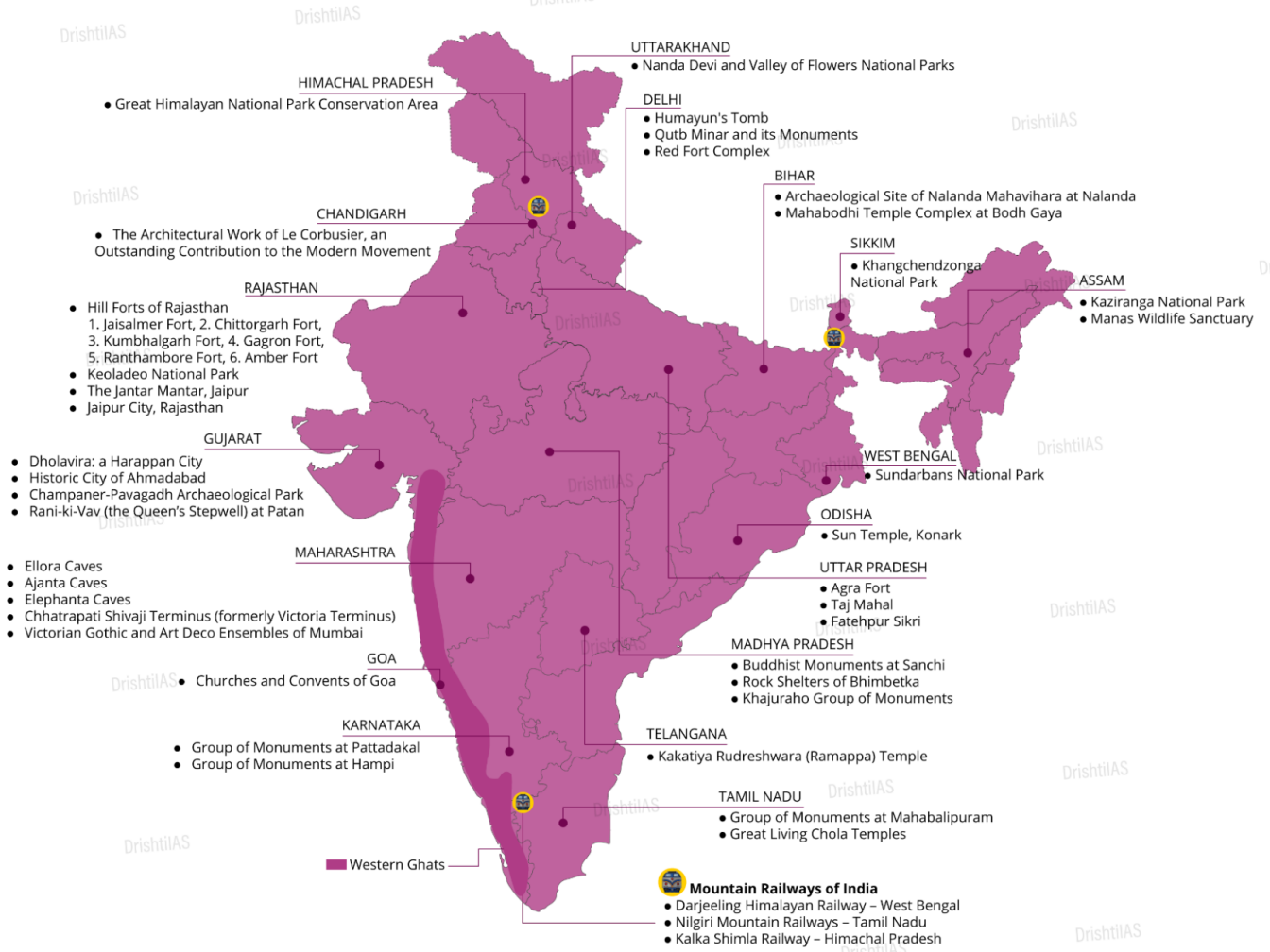
- इसे वजियनगर शैली की वास्तुकला में बनाया गया था और वजियनगर साम्राज्य के शासक देव राय द्वितीय के अधीन नायक लखन दंडेश ने इसका निर्माण कराया था ।

वजियनगर मंदिर वास्तुकला शैली:

- विविध संरचनाएँ: इसमें मंदिर, अखंड मूर्तियाँ, महल, आधिकारिक इमारतें, शहर, सचिवाई प्रणालियाँ, बावड़ियाँ और तालाब शामिल थे ।
- शैलियों का मश्रण: वास्तुकला में हद्वि और इस्लामी तत्त्वों का अनूठा मश्रण था ।
- मंदिरों की विशेषताएँ थीं:
 - मंदिरों की दीवारें नक्काशी और ज्यामितीय पैटर्न से अत्यधिक सुसज्जति थीं ।
 - अब चारों तरफ गौपुरम बनाए गए ।
 - अखंड चट्टान के स्तंभ
 - सामान्यतः मंदिर के स्तंभों पर एक पौराणिक प्राणी याली (घोड़ा) उकेरा जाता है
 - प्रत्येक मंदिर में एक से अधिक मंडप बनाए गए थे । केंद्रीय मंडप को कल्याण मंडप के रूप में जाना जाने लगा ।
 - मंदिर परिसर के अंदर धर्मनिरपेक्ष इमारतों की अवधारणा भी इसी अवधि के दौरान शुरू की गई थी ।
 - उल्लेखनीय संरचनाओं में महानवमी टबिबा, कल्याण मंडप और हज़ारा राम मंदिर शामिल हैं । सजावटी तत्त्वों में अक्सर घोड़े और राया गोपुरम (भव्य प्रवेश द्वार टॉवर) होते थे ।



यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल



तथ्य

- भारत में विश्व धरोहर/विरासत स्थलों की कुल संख्या - 40
- कुल सांस्कृतिक धरोहर स्थल - 32
- कुल प्राकृतिक स्थल - 7 (काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान, मानस वन्यजीव अभयारण्य, पश्चिमी घाट, सुंदरबन राष्ट्रीय उद्यान, नंदा देवी तथा फूलों की घाटी राष्ट्रीय उद्यान, ग्रेट हिमालयन नेशनल पार्क संरक्षण क्षेत्र, केवलादेव राष्ट्रीय उद्यान)
- मिश्रित स्थल - 1 (कंचनजंघा राष्ट्रीय उद्यान)
- सूची में सबसे पहले शामिल किये गए धरोहर स्थल - ताजमहल, आगरा का किला, अजंता गुफाएँ तथा ऐलोरा गुफाएँ (सभी वर्ष 1983 में)
- सूची में हाल ही शामिल किये गए स्थल (2021) - हड़प्पाकालीन स्थल धौलावीरा (40वाँ स्थल), काकतीय रुद्रेश्वर (रामप्पा) मंदिर (39वाँ स्थल)
- सर्वाधिक विश्व धरोहरों वाले देश - इटली (58), चीन (56), जर्मनी (51), फ्रांस (49), स्पेन (49)
- विश्व धरोहर स्थलों की संख्या के मामले में भारत छठे स्थान पर है।

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के परश्न

परश्न 1. नमिनलखिति कथनों में से कौन-सा सही है? (2021)

- (a) अजंता गुफाएँ, वाघोरा नदी की घाटी में स्थति हैं ।
- (b) साँची स्तूप, चंबल नदी की घाटी में स्थति है ।
- (c) पांडू-लेणा गुफा देव मंदरि, नर्मदा नदी की घाटी में स्थति है ।
- (d) अमरावती स्तूप, गोदावरी नदी की घाटी में स्थति है ।

उत्तर: (a)

PDF Refernece URL: <https://www.drishtias.com/hindi/printpdf/quarrying-threatens-hampi>

